आदत | By Naren Soni

जैसा चाहो मुझको समझना
पर तुमसे है इतना कहना
मांगने की आदत जाती नहीं
तेरे आगे लाज मुझे आती नहीं
जैसा चाहो मुझको समझना
पर तुमसे है इतना कहना

बड़े बड़े पैसे वाले भी तेरे द्वारे आते हैं
मुझको है मालूम के वो भी तुझसे मांग के खाते हैं
देने में तुम हिचकाते नहीं
तेरे आगे लाज मुझे आती नहीं

तुमसे बाबा शर्म करू तो और कहाँ मैं जाऊँगा
अपने ये परिवार का खर्चा बोल कहाँ से लाऊंगा
दुनिया तो बिगड़ी बनाती नहीं
तेरे आगे लाज मुझे आती नहीं

तुम तो करते मेरी चिंता खूब गुज़ारा चलता है
कहे पवन के तुमसे ज्यादा कोई नहीं दे सकता है
झोली हर कहीं फैलाई जाती नहीं
तेरे आगे लाज मुझे आती नहीं
तेरे आगे लाज मुझे आती नहीं
जैसा चाहो मुझको.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%86%e0%a4%a6%e0%a4%a4-by-naren-soni/